ज्ञान शांति मैत्री

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

जनसंपर्क कार्यालय

PUBLIC RELATIONS OFFICE

आज़ादी का अमृत महोत्सव

पं. दीनदयाल उपाध्याय की 108वीं जयंती पर "विकसित भारत की संकल्पना : सर्वोदय से अंत्योदय" विषय पर संगोष्ठी

पं. दीनदयाल जी के विचारों को स्थापित करने की आवश्यकता : प्रो. सिंह

वर्धा, 27 सितंबर 2024: महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के वर्धा समाज कार्य संस्थान द्वारा पं. दीनदयाल उपाध्याय की 108वीं जयंती के अवसर पर 'विकसित भारत की संकल्पना : सर्वोदय से अंत्योदय' विषय पर संगोष्ठी का आयोजन बुधवार, 25 सितंबर को किया गया। अध्यक्षीय उद्बोधन में कुलपति प्रो. कृष्ण कुमार सिंह ने कहा कि आधुनिक भारत में पुन: पं. दीनदयाल जी के विचारों को स्थापित करने की आवश्यकता है।

विशिष्ट वक्ता प्रज्ञा प्रवाह केंद्रीय कार्यकारिणी के सदस्य रामाशीष सिंह ने कहा कि पं. दीनदयाल उपाध्याय ने भारत को विभिन्न वाद से परे रखते हुए मानवीय तत्त्व 'सर्वोदय से अंत्योदय' की यात्रा की ओर दिशागत किया। दिल्ली विश्वविद्यालय के शिक्षा विभाग के प्रो. प्रवीण कुमार तिवारी ने कहा कि राष्ट्र 'विराट' की शक्ति से चलता है। राष्ट्र के सूक्ष्म अंग 'समाज का अंतिम व्यक्ति' का उदय अनिवार्य है। वर्धा समाज कार्य संस्थान के निदेशक प्रो. बंशीधर पाण्डेय ने प्रस्ताविकी में कहा कि पं. दीनदयाल उपाध्याय के विचार दर्शन को आत्मसात करने से समाज कार्य का मार्ग प्रशस्त होगा।

मंगलाचरण डॉ. जगदीश नारायण तिवारी ने प्रस्तुत किया। अतिथियों का स्वागत सह-आचार्य डॉ. के. बालराजु ने किया। कुलसचिव प्रो. आनन्द पाटील ने आभार माना तथा संचालन सहायक प्रो. डॉ. शिव सिंह बघेल ने किया।

द्वितीय तकनीकी सत्र की अध्यक्षता आभासी माध्यम से प्रयागराज केंद्र के अकादमिक निदेशक प्रो. दिगंबर तंगलवाड़ ने की। डॉ. जयंत उपाध्याय सत्र के उपाध्यक्ष थे। सत्र में विशिष्ट वक्ता के रूप में आभासी माध्यम से प्रो. दिग्विजय फुकन, डॉ. बालाजी चिरडे, डॉ. के. बालराजु, डॉ. रणंजय सिंह व डॉ. विजय सिंह आदि ने दीनदयाल जी के जीवन दर्शन पर अपने विचार व्यक्त किए। सत्र में वर्धा समाज कार्य संस्थान के निदेशक प्रो .बंशीधर पाण्डेय, डॉ. गजानन निलामे, डॉ. शिवाजी जोगदंड, डॉ. ज्योति कुमारी, डॉ.

पोस्ट हिंदी विश्वविद्यालय, गांधी हिल्स, वर्धा-442001 (महाराष्ट्र), भारत

ई-मेल/E-mail: mgahvpro@gmail.com, वेबसाइट/Website: www.hindivishwa.org

दूरभाष : +91-7152-252651 मोबाइल/Mobile : 9960562305

श्याम सिंह उपस्थित रहे। आभासी माध्यम से डॉ. मिथिलेश कुमार तिवारी ने धन्यवाद ज्ञापित किया। संगोष्ठी में शिक्षक, शोधार्थी एवं विद्यार्थी बड़ी संख्या में उपस्थित थे। प्रयागराज व कोलकाता केंद्र के शिक्षक, विद्यार्थी आभासी माध्यम से जुड़े।

मराठी :

पं दीनदयाल उपाध्याय यांच्या १०८ व्या जयंतीनिमित्त "विकसित भारताची संकल्पना: सर्वोदय ते अंत्योदय" या विषयावर परिसंवाद

पं. दीनदयालजींचे विचार प्रस्थापित करण्याची गरज : प्रो. सिंह

वर्धा, 27 सप्टेंबर 2024: महात्मा गांधी आंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालयातील वर्धा समाज कार्य संस्थानच्या वतीने पं दीनदयाल उपाध्याय यांच्या 108 व्या जयंतीनिमित्त बुधवार, 25 सप्टेंबर रोजी 'विकसित भारत: सर्वोदय ते अंत्योदय' या विषयावर चर्चासत्राचे आयोजन करण्यात आले. कुलगुरू प्रो. कृष्ण कुमार सिंह अध्यक्षीय भाषणात म्हणाले की आधुनिक भारतात पंडित दीनदयालजींच्या विचारांची पुनर्स्थापना करण्याची गरज आहे.

विशेष वक्ते प्रज्ञा प्रवाह केंद्रीय कार्यकारिणी सदस्य रामाशिष सिंह म्हणाले की पं. दीनदयाल उपाध्याय यांनी मानवी घटकाला 'सर्वोदय ते अंत्योदय' या प्रवासाकडे नेले. दिल्ली विश्वविद्यालयाच्या शिक्षण विभागाचे प्रो. प्रवीण कुमार तिवारी म्हणाले की, देश 'विराट'च्या बळावर चालतो. राष्ट्राच्या सूक्ष्म भागाचा, 'समाजाचा शेवटचा माणूस' उदयास येणे अपरिहार्य आहे. वर्धा समाजकार्य संस्थेचे निदेशक प्रो. बंशीधर पांडे यांनी प्रास्ताविकात पंडित दीनदयाळ उपाध्याय यांचे विचार व तत्वज्ञान आत्मसात केल्यास समाजकार्याचा मार्ग मोकळा होईल असे सांगितले.

मंगलाचरण डॉ. जगदीश नारायण तिवारी यांनी सादर केले. पाहुण्यांचे स्वागत असोशिएट प्रोफेसर डॉ. के. बालराजु यांनी केले. कुलसचिव प्रो. आनन्द पाटील यांनी आभार मानले तर संचालन सहायक प्रोफेसर डॉ. शिवसिंह बघेल यांनी केले.

दुसऱ्या तांत्रिक सत्राच्या अध्यक्षस्थानी आभासी माध्यमातून प्रयागराज केंद्राचे शैक्षणिक संचालक प्रो. दिगंबर तंगलवाड होते. सत्राचे उपाध्यक्ष डॉ.जयंत उपाध्याय होते. आभासी माध्यमातून प्रो. दिग्विजय फुकन, डॉ. बालाजी चिरडे, डॉ. के. बालराजु, डॉ. रणंजय सिंह आणि डॉ. विजय सिंह आदींनी दीनदयालजींच्या जीवन तत्त्वज्ञानावर आपले मनोगत व्यक्त केले. सत्रात वर्धा समाज कार्याचे निदेशक प्रो. बंशीधर पांडे, डॉ. गजानन निलामे, डॉ. शिवाजी जोगदंड, डॉ.ज्योती कुमारी, डॉ. श्याम सिंह उपस्थित होते. डॉ. मिथिलेश कुमार तिवारी यांनी आभासी माध्यमातून आभार मानले. चर्चासत्रात शिक्षक, शोधार्थी व विद्यार्थी मोठ्या संख्येने उपस्थित होते. प्रयागराज आणि कोलकाता केंद्रांचे शिक्षक आणि विद्यार्थी आभासी माध्यमातून जोडले गेले.

नमस्कार !

मा. संपादक/संवाददाता महोदय, कृपया संलग्न समाचार को प्रकाशित कर अनुगृहीत करने का कष्ट करें।

सादर धन्यवाद।